भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 858

बुधवार, 26 जून, 2019 को उत्तर देने के लिए

मात्स्यिकी जलपोत हेतु संचार उपकरण

858. श्री बैन्नी बेहनन :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विशेषकर केरल में मात्स्यिकी जलपोतों हेतु संचार उपकरण उपलब्ध कराए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इसरो द्वारा निर्मित एक उपग्रह आधारित संचार उपकरण 'नाविक' वितरित करने का निर्णय लिया है;

(घ) यदि हां, तो क्या इसका कार्यान्वयन किया गया है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय

तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री

(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) एवं (ख)

इसरो ने परीक्षण के आधार पर केरल के मछुआरों के लिए क्रमश: 250 नाविक संदेश अभिग्राही (एन एम आर) उपलब्ध कराए हैं। यह युक्ति चक्रवात, उच्च तरंग और सुनामी जैसी आपातकालीन चेतावनी प्रदान करती है और नाविक से प्राप्त स्थिति संबंधी सूचना के आधार पर संभावित मत्स्य क्षेत्र तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा पारगमन पर भी सूचना प्रदान करती है।

(ग), (घ) एवं (ङ)

इसरो/ एन्ट्रिक्स ने परीक्षण के आधार पर नाविक उपकरण प्रदान करने की जिम्मेदारी ली है। तमिलनाडु के लिए लगभग 200 उपकरण और केरल के लिए 250 उपकरण वितरित किए गए हैं। परीक्षण संबंधी कार्रवाई के रूप में अल्प संख्या में 8 और 10 उपकरण क्रमश: आंध्र प्रदेश और कर्नाटक राज्यों के मछुआरों को उपलब्ध कराए गए हैं।

***